September, 1998 gives a growth rate of -3.28% in US Dollar terms and 12.26% in rupee terms over the corresponding period for last year.

(c) The exports were affected due to a general slow down in world trade especially recession in many countires in South East Asia, Japan and Germany, domestic supply constraints in some sectors such as agriculture commodities and barriers faced in the markets of European Union.

कच्छ क्षेत्रमें आए चक्रवात के कारण निर्यात और आयात पर प्रभाव

*14. **श्री चिमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जुन, 1998 में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में आए चक्रवात के कारण कांडला मुक्त पत्तन और पत्तन न्यास के क्षतिग्रस्त होने के कारण देश के आयात/निर्यात पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है;

(ग) इसके कारण देश को कुल कितने राजस्व और विदेशी मुद्रा की हानि हुई है; और

(घ) इस क्षति को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या उपाए किए हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) से (ग) काण्डला बन्दरगाह न्यास और काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र (केएएफटीजेड) द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार जून, 1998 में आए तूफान से हुए विनाश के कारण विदेश व्यापार प्रभावित हुआ जिससे हुई हानि की राशि नीचे दी गई है:-

(I) विदेश व्यापार	काण्डला बन्दरगाह	निर्यात	आयात (लाखों में)
	जून, 1997	26,641.49	12,761.58
	जून, 1998	8,357.63	9,999.69
	जुलाई, 1997	32,752.09	24,144.76
	जुलाई, 1998	23,617,06	56,169.37
केएएफटीजेड	जून, 1997	1,342.07	1,205.41
	जून, 1998	489.74	1,107.67
	जुलाई, 1997	1,719.79	1,183.89
	जुलाई, 1998	1,499.31	948.79

(ii) काण्डला बन्दरगाह न्यात को अपने उपकरण, संयंत्र और मशीनों आदि की क्षति से 133.25 करोड़ रुपए की कुल हानि हुई।

(iii) तूफान के बाद केएएफटीजेड में बिजली और पानी की आपूर्ति में गड़बड़ी आने के कारण निर्यात उत्पादन वस्तुत: बंद हो गया था। विनाश के कारण बुनियादी सुविधाओं में लगभग 2 करोड़ रुपये की क्षति होने का अनुमान लगाया गया है। कच्चे माल और तैयार सामान आदि की क्षति लगभग 4.5 करोड़ रुपये की है।

(घ) भारतीय नौसेना, सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) तटरक्षक, स्थानीय पुलिस बल तथा पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहायता से बंदरगाह के संचालन को पुन: शुरू करने के सभी उपाय युद्धस्तर पर किए गए। केएएफटीजेड ने भी कार्य को पुन: शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। बंदरगाह के कार्य एक माह के भीतर पुन: शुरू कर दिए गए थे।

वाणिज्य मंत्रालय ने तूफान के कारण खत्म हुई बुनियादी सुविधाओं को पुन: बहाल करने के लिए एक विशेष पुनर्निर्माण कार्यक्रम के रूप में केएएफटीजेड को 1.51 करोड़ रुपये स्वीकृत किए।

किए गए अन्य उपायों में शामिल हैं-क्षति का त्वरित अनुमान लगा कर बीमा कंपनियों से दावों का निपटान कराना तथा वित्तीय संस्थाओं को इस आशय की सलाह देना कि वे निर्यातकों/आयातकों के नकद ऋण सीमाओं, पैकिंग सीमाओं, निर्यात ऋण तथा चलती पूंजी के आवेदनों पर स्वीकारात्मक ढंग से विचार करें।

कांडला बन्दरगाह न्यास पर सुविधाओं को पुन: बहाल करने के अतिरिक्त, काण्डला बन्दरगाह से भिजवाए गए सामान को अन्य बन्दरगाहों पर रखवाने के लिए भी प्रबंध किए गए।

Jewellery Fair at Jeddah

*15. SHRI RAJNATH SINGH SURYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Saudi Arabia has refused to allow Indian Jewellers to display their wares at trade fair being held in February, 1999 at Jeddah;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to ensure participation of Indian jewellers in this fair?